(क) क्या सरकार का ध्यान वनस्पति निर्माता संघ के प्रवक्ता के इस वक्तव्य की ओर आकर्षित किया गया है कि वनस्पति के मूल्यों में हाल में मंजूर की गई वृद्धि अनुत्पादक है;

(ख) यदि हां, तो उस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ;

(ग) क्या सरकार ने इस संबन्ध में कोई प्रभावी कदम उठाए हैं; और

(घ) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है ?

इलेक्ट्रानिकी विभाग में तथा खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय में उप मंत्री (डा० एस० एम० संजीवी राव) : (क) से (घ) उक्त वक्तव्य 22 जून 1984 के "इकानामिक टाइम्स में प्रकाशित हुआ है। अखबार में इस वक्तव्य को देखने के तत्काल बाद वनस्पति विनिर्माता एसोसियेशन ने अखबार में इस खबर को देने वाली एजेन्सी, अर्थात "यूनाइटेड न्यूज आफ इण्डिया" को पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने इस बात से इंकार किया है कि उनके किसी भी प्रवक्ता द्वारा ऐसा वक्तव्य जारी किया गया है। वनस्पति विनिर्माता एसोसियेशन ने उक्त न्यूज एजेन्सी से इस बात पर अपना क्षोभ व्यक्त किया है कि उन जैसी जिम्मेदारी एसोसियेशन को ऐसा वक्तव्य देने के लिए उत्तरदायी ठहराया है जो उन्होंने वास्तव में नहीं दिया है।

Slow Progress in Respect of Cotton Production of Gujarat

1058. SHRI CHHITUBHAI GAMIT : Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether there has been slow progress of cotton production in Gujarat during the three Plan Periods, despite introduction of hybrid seeds giving more yield; and

(b) if so, the details in this regard ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE : (SHRI YOGENDRA MAKWANA) :

(a) and (b) The average area, production and productivity of cotton in Gujarat duridg the last 3 plan periods is as below :

Plan Period	Area (lakh ha.)	Production (lakh bales of 170 kgs. each)	Yield (kg. per ha.)
1	2	3	4
IV Plan			
1969-70 to 1973-74)	17.46	17.79	173
V Plan			
(1974-75 to 1978-79)	17.37	17.61	172
VI Plan			
(1980-81 to 1983-84) (Provisional)	15.00	17.00	193

The yield of cotton in Gujarat has shown a significant rise during the Sixth Five Year Plan period so far, compared to the earlier two Plan periods.